SIDDHI VINAYAK ONLINE CLASSES

Join Telegram-
https://t.me/bhartibhandar
Our Website-
https://thehindipage.com/blog/
Join Telegram-
https://t.me/siddhivinayakpariwarsangaria
Our Youtube Channel-
https://www.youtube.com/channel/UCJlUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg

कक्षा 12 अनिवार्य हिंदी
टेस्ट-4 (सूरदास)
प्रश्न-पत्र (पूर्णांक 20)

प्रश्न 1. सूरदास के पदों में वर्णित प्रेम भक्तिभावना का वर्णन कीजिए। 4

प्रश्न 2. पठित अंश के आधार पर गोपियों के वाक्चातुर्य का वर्णन कीजिए 4

प्रश्न 3. सूरदास के व्यक्तित्व कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए 4

प्रश्न 4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए (कोई दो) 2×4= 8

(क) हम तौ दुहुँ भाँति फल पायो।
जो ब्रजनाथ मिलैं तो नीको, नातरु जग जस गायो।
कहँ वै गोकुल की गोपी सब बरनहीन लघुजाती।
कँह वै कमला के स्वामी संग, मिलि बैठीं इक पाँती।
निगमध्यान मुनिज्ञान अगोचर, ते भए घोषनिवासी।
ता ऊपर अब साँच कहों धौं मुक्ति कौन की दासी?
जोग-कथा, पा लागों ऊधो, ना कहु बारम्बार।
सूर स्याम तजि और भजै जो ताकी जननी छार॥

(ख) बिलग जनि मानहु, ऊधो प्यारे।
वह मथुरा काजर की कोठरि जे आवहिं ते कारे॥
तुम कारे, सुफलकसुत कारे, कारे मधुप सँवारे।
तिनके संग अधिक छवि उपजत, कमलनैन मनिआरे॥
मानहु नील माट तें काढ़े, लै जमुना जाय पखारे।
ता गुन स्याम भई कालिंदी, सूर स्याम-गुन न्यारे॥

(ग) बिन गोपाल बैरिन भई कुनें॥
तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुंजें॥
वृथा बहति जमुना, खग बोलत, वृथा कमल फूलै अलि गुंजै।
पवने पानि घनसार संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुजें॥
ए, ऊधो, कहियो, माधव सों विरह कदन करि मारत लुजें॥
सूरदास प्रभु को मग जोवत, अँखियाँ भई बरन ज्यों गुंजै॥

इस प्रश्न-पत्र की आदर्श उत्तर-कुंजी आप
03:00 बजे बाद इस लिंक
https://tinyurl.com/y66j6z98
से डाउनलोड कर सकते हैं।

कक्षा 12 (अनिवार्य हिन्दी - सृजन) परीक्षा की दृष्टि से सरल व आसान व्याख्या एवं हल प्रश्न उत्तर सहित Free PDF Download इस से कीजिए-
https://tinyurl.com/y6tpcbsp
Join Telegram-
https://t.me/bhartibhandar
Our Website-
https://thehindipage.com/blog/
Join Telegram-
https://t.me/siddhivinayakpariwarsangaria
Our Youtube Channel-
https://www.youtube.com/channel/UCJlUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg